[श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया]

आने देना चाहिये जिससे दोनों पक्षों को कोर्ट में जाना पड़े । इस तरह से जो व्यर्थ धन हमें देना पड़ता है उसको बचाया जाना चाहिये और इस तरह की स्थिति का निर्माण नहीं होने देना चाहिये ।

इस सम्बन्ध में दूसरी बात मुझे यह कहनी है कि इसमें यह लिखा है कि चूंकि ब्याज नहीं देना पड़े इसलिये रकम दे दी है, साथ ही हाई कोर्ट में अपील कर रहे हैं । इस तरह के कई प्रकरण—जिनमें शासन को ब्याज देना पड़ रहा है—हैं तो फिर जब अपील करने वाले थे तो रकम क्यों दी ? इस तरह की बात मेरी समझ में नहीं आई । जब तक हम यह न समझ लें कि हमारी जो मांग है वह न्यायोचित है और हाईकोर्ट उसको मान लेगा तब तक हमें हाई कोर्ट में नहीं जाना चाहिये । इसलिये मैं शासन से अपील करूंगा कि वह इस बात पर ध्यान दे । सुरक्षा की दृष्टि से सरकार को जितना धन मिलता है उसको हर तरह से लेने की कोशिश करनी चाहिये लेकिन . . .

[MR. CHAIRMAN in the Chair.]

MR. CHAIRMAN: Would you please stop here for a minute.

NEW DEFENCE MINISTER INTRODUCED TO THE HOUSE

MR. CHAIRMAN: Would the Prime Minister like to make a statement?

THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU) : Mr. Chairman, may I introduce to you, Sir, and through you to the House, our Defence Minister Sri Yashwant Rao Chavan?

REFERENCE TO THE LATEST POSITION ON THE BORDER

MR. CHAIRMAN: Would the Prime Minister like to say something about the present situation?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: Sir, there is not much to say. So far as our information goes, since last evening there has been no firing, that is t» say, on the Chinese side there has been, so far as we know, an effective cease-fire. Apart from that, nothing else we have received from the front.

SHRI N. SRI RAMA REDDY (Mysore): Any official information?

MR. CHAIRMAN: The Members are anxious to know what the Chinese have done in regard to the cease-fire order. I think what you have said is enough.

SHRI RAJENDRA PRATAP SINHA (Bihar): Quite enough.

THE APPROPRIATION (NO. 5) BILL, 1962—continued

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : जो मांग की गई है उसके बारे में मेरा निवेदन है कि सुरक्षा की दृष्टि से जो मांग की गई है वह बिल्कुल उचित है और सबको इसका समर्थन करना चाहिये । लेकिन इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि गरीबों पर टैक्स का भार ज्यादा नहीं पड़ना चाहिये । हमारे जो अपव्यय हैं उन सबको रोका जाना चाहिये और सारा धन सुरक्षा में लगा देना चाहिये तथा इस कार्य में जनता का पूरा पूरा सहयोग प्राप्त करने की कोशिश की जानी चाहिये ।

SHRI ARJUN ARORA (Uttar Pradesh): Mr. Chairman it is a matter of great pleasure that the Chinese have at least once adhered to their words and carried out their ceasefire. There is, in the country, a